

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	अज्ञातवास
शीर्षक	बूझो तो जाने
समय	दो कालांश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	एक
कौशल	लेखन एवं वाक्, सृजनात्मकता
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़ ,कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम: -

- *पहेली निर्माण कला से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे ।
- * विद्यार्थियों में चिंतन-कौशल और सृजनात्मकता का विकास होगा ।

2.अध्यापिका गतिविधि :

- * अध्यापिका विद्यार्थियों को पाठ की कहानी को पढ़ने का निर्देश देंगी ।
- * अध्यापिका विद्यार्थियों को पठन के बाद कहानी पर पुनर्विचार कर उसमें से इच्छानुसार एक पात्र को चुनने और उस पात्र की विशेषताओं को आधार बनाकर एक पहेली बनाने तथा कक्षा में पूछने का निर्देश देंगी ।
- *अंत में अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।
- * तत्पश्चात् अंत में अध्यापिका उनके पहेली का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी ।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- *अध्यापिका द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार विद्यार्थी कहानी को पढ़ेंगे ।
- * उस के बाद अध्यापिका के निर्देशानुसार विद्यार्थी कहानी पर पुनर्विचार कर उसमें से इच्छानुसार एक पात्र को चुनकर उस पात्र की विशेषताओं को आधार बनाकर एक- एक पहेली निर्मित कर लिखेंगे।
- * तत्पश्चात् उस निर्मित पहेली को कक्षा में पूछेंगे और अन्य बच्चे उसका जबाब देने का प्रयास करेंगे।
- *सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे
- *अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपना लिखित कार्य अध्यापिका को देंगी ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: अज्ञातवास

गतिविधि : बूझो तो जाने

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. गतिविधि से पूर्व पहली निर्माण में आने वाली बाधाएँ लिखिए :-

प्रश्न.2. गतिविधि के बाद अपने व्यवहार में आए अंतर को लिखिए:-

प्रश्न.3. प्रसिद्ध नेताओं, महापुरुषों, इमारतों से जुड़ी दो-दो पहलियाँ बनाइए तथा उत्तर भी दीजिए ।

प्रसिद्ध नेता:-

1

2

महापुरुष:-

1.

2.

इमारत

1.

2